मंगोलिया की संसद स्टेट ग्रेट हुराल के चेयरमैन महामहिम श्री गोम्बोजव ज़ंदनशतर द्वारा आयोजित रात्रिभोज के दौरान माननीय अध्यक्ष का सम्बोधन

स्टेट ग्रेट हुराल के चेयरमैन माननीय श्री गोम्बोजव ज़ंदनशतर; गणमान्य सदस्यगण; देवियो और सज्जनो

यहां आप सबके बीच उपस्थित होना मेरे लिए और मेरे शिष्टमंडल के सदस्यों के लिए बहुत खुशी की बात है। मैं अपनी ओर से और भारत की जनता की ओर से आप सबको बधाई और शुभकामनाएं देता हूं। मैं प्राकृतिक रूप से इस आकर्षक देश में गर्मजोशी से आतिथ्य सत्कार करने के लिए आपका आभार व्यक्त करता हूं।

भारत और मंगोलिया के बीच सांस्कृतिक और सभ्यतागत संबंधों का एक लंबा इतिहास रहा है। हमें बौद्ध धर्म की विरासत और साझे लोकतान्त्रिक मूल्यों ने एक दूसरे से जोड़ा है।

कठिन भौगोलिक बाधाओं के बावजूद आपके देश से बौद्ध भिक्षु हमारे प्राचीन नालंदा विश्वविद्यालय में आते रहे हैं। मुझे हर्ष है कि आप भारत को अपना '*थर्ड नेबर* ' मानते हैं।

वर्ष 1955 में हमारे राजनयिक संबंधों की शुरुआत होने के बाद हमने एक लंबा सफर तय किया है। वर्ष 2015 में माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की ऐतिहासिक मंगोलिया यात्रा ने हमारे संबंधों को नई दिशा दी है।

आज हमारे द्विपक्षीय संबंधों का अन्य क्षेत्रों में विस्तार किया जा रहा है। हमारी लोकतांत्रिक आकांक्षाओं और सामाजिक-आर्थिक विकास की हमारी साझी इच्छा से हमारे द्विपक्षीय संबंधों को एक नई ऊर्जा और गति मिली है।

मुझे खुशी है कि हमारे राजनयिक सम्बन्धों की स्थापना के समय से ही दोनों देशों के संसदीय प्रतिनिधिमंडल का नियमित आदान प्रदान होता रहा है। भारत को वर्ष 2021 में मंगोलिया के संसदीय शिष्टमण्डल का स्वागत करने का सुअवसर प्राप्त हुआ था। संसदीय

प्रतिनिधिमंडलों का नियमित आदान प्रदान हमारे दोनों देशों की संसदों और जनता के बीच की प्रगाढ़ मैत्री का प्रमाण है। इन यात्राओं से आपसी सहयोग के नए रास्ते खुले हैं।

हम चाहते हैं कि मेरी इस यात्रा से आने वाले समय में, भारत-मंगोलिया संबंधों को और मजबूत बनाया जा सकेगा। हमारे शिष्टमंडल का शानदार स्वागत करने के लिए मैं एक बार फिर आपको धन्यवाद देता हूँ। हम यहाँ से बहुत सी सुखद यादें लेकर वापस जाएँगे। धन्यवाद।